यूनियन बजट से पहले पत्रकारों के लिए कार्यशाला

29 जनवरी 2021, नई दिल्ली: सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च स्तिथ एकाउंटेबिलिटी इनिशिएटिव अनुसंधान समूह द्वारा यूनियन बजट पर आज कार्यशाला आयोजित की गयी| इसमें 4 राज्यों (राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश) से पत्रकार शामिल थे| इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बजट के विभिन्न भागों और प्रक्रियाओं को बारीकी से समझना था|

बजट को तरीके से पढ़ना अहम है| बजट सरकारी वित्तीय वर्ष के अनुमानित आमदनी और ख़र्चों का आधिकारिक विवरण होता है| यह केंद्र सरकार की संपूर्ण वित्तीय व्यवस्था और बड़ी आर्थिक चुनौतियों पर नज़र रखने में मदद करता है| इससे केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गयी कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति का मूल्यांकन करने में भी मदद मिलती है|

"बजट राष्ट्रीय नीति को देखने का एक महत्वपूर्ण उपकरण है| हमें आशा है की आज की वर्कशॉप से पत्रकारों को यूनियन बजट के बारे में विस्तृत जानकारी मिली होगी जिसका वह उपयोग कर पाएंगे," अवनि कपूर, निदेशक-एकाउंटेबिलिटी इनिशिएटिव|

कार्यशाला में अन्य चीज़ें समझायी गयी जिसमें शामिल हैं:

- बजट शब्दावली एवं प्रक्रिया क्या है?
- केंद्र सरकार को पैसा कहाँ से प्राप्त होता है (निधि स्रोत)?
- केंद्र सरकार का पैसा कहाँ खर्च होता है?
- केंद्र सरकार द्वारा राज्यों को पैसा कैसे दिया जाता है (राज्य को निधि हस्तांतरण के तंत्र)?
- समय के साथ सरकार की प्राथमिकताओं में आये बदलाव और बजट से सम्बन्धित प्रमुख कहानियों को कैसे समझा जा सकता है |

केंद्र सरकार यूनियन बजट को १ फरवरी को पेश करेगी| एकाउंटेबिलिटी इनिशिएटिव पिछले 13 वर्षों से केंद्र प्रायोजित योजनाओं (Centrally Sponsored Schemes) पर 'बजट ब्रीफ़' प्रकाशित कर रहा है| इस वर्ष के 'बजट ब्रीफ़' यहाँ उपलब्ध हैं (स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका, पोषण आदि से संबंधित हैं)| यह सामाजिक कार्यक्रमों के आवंटन, सार्वजनिक व्यय, और परिणामों के रूझानों का विश्लेषण करते हैं|

संपादक के लिए नोट्स

एकाउंटेबिलिटी इनिशिएटिव के बारे में:

Accountability Initiative एक अनुसंधान समूह है जो 2008 से शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करने पर काम कर रहा है| हमने भारत में कुशल सार्वजनिक सेवाओं के वितरण को प्रभावित करने वाली राज्य क्षमताओं और कारकों पर साक्ष्य-आधारित अनुसंधान के माध्यम से ऐसा किया है| हमने बहु-क्षेत्रीय सामाजिक विषय: जैसे शासन प्रक्रिया और बजट पर अध्ययन किया है| शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और स्वच्छता जैसे सामाजिक क्षेत्रों को हमने बारीकी से देखा है| हम 5 राज्यों - बिहार, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान में कार्यरत हैं|

हमारी कोशिश उत्तरदायी शासन को सक्षम करने की है| हमारा मानना है कि उत्तरदायी शासन हासिल किया जा सकता है यदि सरकारी संस्थान पारदर्शी और जवाबदेह तरीके से बनाए जाएं और नागरिक मांगों के प्रति जवाबदार हों| इसके साथ ही जागरूक नागरिक की भूमिका इस जवाबदेही व्यवस्था में महत्त्वपूर्ण है|

हम Centre for Policy Research का हिस्सा हैं, जो भारत की प्रमुख सार्वजनिक नीति थिंक टैंकों में से एक है|